

आन्नद का नहीं ठिकाणा मेरे बाबा के दरबार में



आन्नद का नहीं ठिकाणा,
मेरे बाबा के दरबार में।bd।

कोए नाचे कोए गावः,
कोए पेट पिलणया आवः स,
आवण की दरखास लगावः,
कोए अपनी अर्जी लावः स,
कोए गोद भरा क जावः,
कोए बैठा स इंतजार में,
आन्नद का नहीं ठिकाणा,
मेरे बाबा के दरबार में।bd।

मेंहदीपुर के बालाजी तुं,
सच्चा स न्याकारी हो,
मेंहदीपुर के बालाजी,
तन्नै जाणे दुनिया सारी हो,
जिसपे दया हो तुम्हारी,
वो कोना रह हार में,
आन्नद का नहीं ठिकाणा,
मेरे बाबा के दरबार में।bd।

प्रेतराज और भैरव बाबा,
सबके संकट काटं सं,
जो कोए उसके दर प,
आजया सबके साटे साटं सं,
यो सबके दुख ने काटः,
जो कोए आगया इसकी आड़ में,
आन्नद का नहीं ठिकाणा,
मेरे बाबा के दरबार में।bd।

कह मुरारी दर तेरे की सब तं,
न्यारी माया स,
दया धर्म जिसके मन में,
उस प तेरी छाया स,
समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



तुं घाटे के महं आया या,
धुम मची संसार में,
आन्नद का नही ठिकाणा,
मेरे बाबा के दरबार में।bd।

आन्नद का नही ठिकाणा,
मेरे बाबा के दरबार में।bd।

गायक – नरेन्द्र कौशिक ।
भजन प्रेषक – राकेश कुमार जी,
खरक जाटान(रोहतक)
(9992976579)
